बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी – १९ जून, २००५)

(समय : सुबह ९:०० से १०:३०)	सत्संग प्रवेश - १	कुल प्राप्तांक : ७५

नोंध : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं।

विभाग-१ : नीलकंठ चरित्र - प्रथम आवृत्ति, जुलाई २०००

प्रश्न.१. निम्न अवतरण कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए। **(६ गुण)**

१. ''मैं पीथलपुर में रहेती हूँ, जाति से खोजा हूँ ।'' ७६

२. ''आपकी मूर्ति की स्थापना मैं भरतखंड में अवश्य करुँगा ।'' १४

३. ''नीलकंठ ब्रह्मचारी को आप सबने बिना अपराध के यहाँ से क्यों निकाल दिया ।'' ४२

प्रश्न.२. निम्न विधानों के बारे में कारण दीजिए ।(दो से तीन पंक्ति में) **(६ गुण)**

१. सीरपुर में सभी साधु यह देखकर दंग रह गए । ३३

२. राजा रणजितसिंह को नीलकंठ की आज्ञा अत्यंत दु:खकारक लगी । १५

३. नीलकंठ सात दिनों तक नित्य अंबाली जाते थे । ६७

प्रश्न.३. निम्न में से किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए ।(वर्णनात्मक) **(५ गुण)**

१. नीलकंठ वंशीपुर में । १६

२. शिव-पार्वती ने दर्शन किए । ६२

३. स्वस्वरूप की पहचान । ७४

प्रश्न.४. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । **(५ गुण)**

१. नीलकंठ ने राणा रणबहादुर को किस प्रकार से रोग सहन करना समझाया (बताया) । ३२

२. कालभैरव को किसने और कैसे मारा ? २१

३. वीर हनुमान ने पिबैक को क्या कहा ? ३६

४. त्यागी की कैसी वृत्ति होनी चाहिए ? २

५. रामानंद स्वामी अक्षरधाम में कब पधारे ? ११२

प्रश्न.५. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखिए । **(६ गुण)**

नोंध : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जायेगा ।

१. नीलकंठ ने किसे-किसे अक्षरधाम भेंट दिया ? १०२, ८१

(अ) कुरजी दवे (ब) मयाराम भट्ट (क) नरसिंह मेहता (ड) लखु चारण

१. नीलकंठ द्वारा तपस्या के लिए पसंद की गई जगह की विशेषता । २४

(अ) ब्रह्मा के पुत्र पुलह ने यहाँ तप किया था ।

(ब) युगों पूर्व भरतजी ने यहाँ तपश्चर्या की थी ।

(क) पुलहाश्रम की जगह एकांत और रमणीय थी ।

(ड) राजा भगीरथ ने भगीरथी (गंगा नदी) को आकाश से यहाँ उतारा था ।

३. गोपालयोगी और नीलकंठ का मिलन । ३०

(अ) पर्णकुटी में रहने की जगह साफ कर दी । (ब) भगवन् ! बहुत प्रतीक्षा करवाई ।

(क) नित्य अक्षयपात्र में से भोजन करवाते । (ड) आजतक मेरा मन किसीके प्रति आकर्षित नहीं हुआ है ।

प्रश्न.६. निम्न विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । **(४ गुण)**

१. सामने किनारे से लाखा कोली को नीलकंठ ने ..... दिखाई । ७४

२. रींछ का नाम ..... था । ४६

(पृष्ठ पलटिये)

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक १९ जून, २००५. परीक्षा - सत्संग प्रवेश - १. माध्यम - हिन्दी. समय - सुबह ९:०० से १०:३०)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किए हुए पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, यह आप की जानकारी के लिए है।

४०१

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दी वह दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा दी तब का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : | | | | | | |

परीक्षा स्थल का नाम : केंद्र नंबर : | | | | |

परीक्षार्थी की सही : केंद्र का नाम :

नोंध : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगतों को भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को दे दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहने वाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।

३. ..... सरयु नदी का उद्‌गम स्थान है । १४

४. नीलकंठ और सेवकराम का मिलाप ..... पथ पर हुआ । ५५

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग-१ - प्रथम आवृत्ति, जून १९९७

प्रश्न.७. निम्न अवतरण कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए। **(६ गुण)**

१. ''इसलिए हम झीणाभाई की अर्थी अपने कन्धो पर उठाकर चले हैं ।'' ३३

२. ''पत्र में आपने महाराज को प्रह्‌लाद एवं जनक की उपमा दी थी ।'' २५

३. ''हम लोग पूना तक से चोरी लूंटपाट करके काफी धन लाते थे ।'' ३९

प्रश्न.८. निम्न विधानों के बारे में कारण दीजिए ।(दो से तीन पंक्ति में ।) **(४ गुण)**

१. बालभक्त कवि लाडुदानजी कच्छ के महाराजा के मेहमान हुए । १

२. मुक्तानंद स्वामीने विप्र जगन्नाथ को दीक्षा देकर उसका नाम शुकानंद स्वामी रखा । २२

प्रश्न.९. नीचे दिए हुए वाक्यों में से केवल पाँच सही वाक्य को ढूँढकर सिर्फ़ उसके नंबर लिखे । **(५ गुण)**

प्रसंग :- माणस नो अवतार मोंघो..... कीर्तन में प्रभु का ध्यान करवाना । १८

१. चेतीले चित्तमां विचारी, चालजे डरी । **२.** पूरव केरा पाप तारा तो जाशे बळी । **३.** दुःख तणो दरियाव मोटो, नहीं शको तरी । **४.** भजी ले भगवान साचा संत ने मली । **५.** काळ तो विकराळ वेरी वींखसे वळी । **६.** शामळिया ने शरणे जातां, जाशो ऊगरी । **७.** निर्लज्ज तूं नवरो न रह्यो, घर धंधो करी । **८.** ओळखी ले अविनाशी, रहेजे ज्ञानमां गळी । **९.** मान, मरडाई, मोटप मेली भजी लो हरि । **१०.** भाल तिलक केसर केरु राजे । **११.** वचनमां विश्वास राखी भजनमां भळी ।

प्रश्न.१०. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । **(४ गुण)**

१. मुंबई में बीमारी और अशक्ति के समय निर्गुण स्वामी ने स्वामीश्री से क्या निवेदन किया ? ५६

२. महाराज ने लालुबा को क्या दिया ? ५

३. आशाभाई को शास्त्रीजी महाराज के प्रथम दर्शन कहाँ हुए थे ? ५९

४. महाराज के पिता का शत्रु कौन कहलाएगा ? ३९

प्रश्न.११. निम्न में से किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूंकनोंध लिखिए ।(वर्णनात्मक) **(५ गुण)**

१. भक्तराज जीवुबा की ठाकुरजी के प्रति भक्ति । ४३

२. जेठा भगत । ४९

३. आशाभाई को कल्याण की प्रतीति । ५९

प्रश्न.१२. नीचे दिए गए वाक्य सही है या गलत, यह लिखकर, गलत वाक्य को सुधारकर लिखिए । **(४ गुण)**

१. जामनगर नवाब की कचहरी में झीणाभाई सिर छिपाए हुए बैठे थे । २७

२. देवीदान का जन्म धींगड़ा गाँव में हुआ था । १५

३. श्रीजीमहाराज ने ''नित्यानंद स्वामी'' को सुखड़ी का दातुन करवाया । २२

४. वरताल में मंदिर के लिए जोबनपगीने अपनी जमीन दी थी । ३९

विभाग-३ : निबंध

प्रश्न.१३. निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ३० वाक्यों में निबंध लिखिए। **(१५ गुण)**

१. सुखशांति का एक ही इलाज : रविसभा ।

२. नीलकंठ की कल्याणयात्रा ।

३. समाज में, दुनिया में मंदिरों की अति आवश्यकता है ।

नोंध : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न और एक निबंध दिनांक १७ जुलाई, २००५ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावनाएँ हैं।